Title: Need to take effective steps to solve growing unemployment problem in the country.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान बेरोजगारी जैसी देश की विकराल समस्या की ओर दिलाना चाहता हूं। एक ओर देश विकास की ओर बढ़ रहा है, नये आर्थिक सुधारों की वकालत हो रही है, देश की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होने के दावे किए जा रहे हैं तो दूसरी ओर संसद में दबी जबान से ही बेरोजगारी बढ़ने की बात स्वीकार की जा रही है। मेरी समझ में नहीं आ रहा कि यह विरोधाभास आखिर क्यों है? दरअसल नयी उदारीकरण को औद्योगिक नीति के नाम और काम में अति अंतर है। यह नीति पूंजी-प्रधान है। देश की आवश्यकता श्रम प्रधान औद्योगिक नीति की है। मौजूदा नीति के तहत सरकार उन उद्योगों को प्रोत्साहन देने में लगी है, जो पूंजी-प्रधान तकनीक के आधार पर है। फलत: रोजगार के अवसर देश की आवश्यकता से कम पैदा हो रहे हं और बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है।

इसलिए मेरा सरकार से आग्रह है कि अविलम्ब इस नीति में परिवर्तन कर देश में श्रम-प्रधान तकनीक को प्रोत्साहन दें और अधिकतम रोजगार के अवसर पैदा होने की स्थिति पैदा कर बेरोजगारी पर अंकुश लगाएं।